Literacy for a Billion

Movie: Laila Majanu
Year: 1979

Song: Ab Agar Hum Se Khudai
Lyricist: Sahir Ludhianvi

अब अगर हमसे
खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए
अब अगर हमसे
खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए
गैर मुमकिन है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
गैर मुमकिन है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
ज़िस्म मिट जाए
ज़िस्म मिट जाए
के अब जान फ़ना हो जाए
ज़िस्म मिट जाए
के अब जान फ़ना हो जाए
गैर मुमकिन है...
गैर मुमकिन है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
अब अगर हमसे
खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए
अब अगर हमसे
ओ... ओ...
ओ... ओ...
ओ... ओ...
ओ... ओ...

जिस घड़ी मुझको
पुकारेंगी तुम्हारी बाहें
जिस घड़ी मुझको
पुकारेंगी तुम्हारी बाहें
रोक पाएँगी ना सेहरा की
सुलगती राहें
रोक पाएँगी ना सेहरा की
सुलगती राहें
चाहे हर साँस झुलसने की
सज़ा हो जाए
चाहे हर साँस झुलसने की
सज़ा हो जाए
गैर मुमकिन है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
अब अगर हमसे
अब अगर हमसे
खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए
अब अगर हमसे
आ... आ...
आ... आ...
आ... आ...
आ... आ...

लाख जंज़ीरों में
जकड़े ये ज़मानेवाले
लाख जंज़ीरों में
जकड़े ये ज़मानेवाले
तोड़ कर बंद
निकल आएँगे आनेवाले
तोड़ कर बंद
निकल आएँगे आने वाले
शर्त इतनी है के तू
जलवानुमा हो जाए

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.

Literacy for a Billion

शर्त इतनी है के तू

जलवानुमा हो जाए
गैर मुमकि़न है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
गैर मुमकि़न है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
अब अगर हमसे

अब अगर हमसे

खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए
गैर मुमकि़न है
के दिल दिल से जुदा हो जाए
अब अगर हमसे
खुदाई भी ख़फ़ा हो जाए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.